# श्रीअन्न का बढ़ता योगदान

**हिमांशु पाण्डेय*, अजय कुमार साह**,**
**राहुल कुमार रॉय***** और **शालिनी पाण्डेय******

श्रीअन्न विशेषांक

"श्रीअन्न, कुल खाद्य उत्पादन का लगभग एक चौथाई हिस्सा हैं। ये देश के अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में अहम् योगदान देते हैं। श्रीअन्न आज से नहीं, प्राचीनकाल से ही मानव आहार का अभिन्न अंग हैं। हालांकि हरित क्रांति काल के बाद से मानव समाज ने अपनी आहार प्रणाली में परिवर्तन ला दिया है। इसके फलस्वरूप इनका उपयोग कुछ हद तक कम हो गया है परंतु इनमें उपस्थित पोषक तत्वों की प्रचुरता और रोगरोधी क्षमताओं के कारण इन्हें आहार के रूप में ग्रहण करना मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हो गया है।"

भारत, विश्व में श्रीअन्न का सबसे बड़ा उत्पादक देश है। इनकी खेती राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, उत्तराखंड, झारखंड, मध्य प्रदेश, हरियाणा और गुजरात इत्यादि राज्यों में प्रमुख रूप से की जाती है। श्रीअन्न पारंपरिक रूप से देश के अल्प संसाधन वाले कृषि जलवायु क्षेत्रों में उगाये जाते हैं। इनमें पोषक तत्वों की प्रचुर मात्रा होती है। इसके साथ-साथ ये सूखा सहिष्णु प्रकाश असंवेदनशील होते हैं तथा जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूल होते हैं। देश में मुख्यत: ज्वार, बाजरा एवं कुटकी इत्यादि फसलों की बुआई बहुतायत रूप से की जाती है।

सम्पूर्ण देश में वर्ष 2021-22 के आंकड़ों के अनुसार ज्वार की लगभग 38.08 लाख हैक्टर क्षेत्रफल पर बुआई की जाती है और लगभग 48.12 लाख टन उत्पादन प्राप्त होता है। बाजरे की खेती लगभग 67.03 लाख हैक्टर पर की जाती है और उत्पादन लगभग 96.24 लाख टन प्राप्त होता है। छोटे श्रीअन्न लगभग 4.23 लाख हैक्टर पर उगाये जाते हैं। इनसे लगभग 3.75 लाख टन उत्पादन होता है। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2021-22 के आंकड़ों के अनुसार ज्वार की खेती लगभग 1.71 लाख हैक्टर पर की जाती है और इसका उत्पादन लगभग 2.70 लाख मीट्रिक टन है तथा बाजरा की खेती लगभग 9.04 लाख हैक्टर पर की जाती है और उत्पादन लगभग 19.50 लाख मीट्रिक टन है। छोटे श्रीअन्न बहुत कम क्षेत्रफल पर उगाये जाते हैं। (लगभग 0.07 लाख हैक्टर) और उत्पादन लगभग 0.05 लाख मीट्रिक टन प्राप्त होता है।

सारणी: देश में वर्ष 2021-22 में श्रीअन्न उत्पादन

| फसल | क्षेत्रफल (लाख हैक्टर) | उत्पादन (लाख टन) | उत्पादकता (कि. प्रति हैक्टर) |
|---|---|---|---|
| ज्वार | 38.08 | 48.12 | 1110 |
| बाजरा | 67.03 | 96.24 | 1436 |
| रागी | 12.11 | 16.96 | 1401 |
| छोटे श्रीअन्न | 4.23 | 3.75 | 885 |

(स्रोत: डी.एम.डी. जयपुर, वर्ष 2021-22)

*,**भाकृअनुप-भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (उत्तर प्रदेश); ***बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बांदा (उत्तर प्रदेश); ****डा. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद (उत्तर प्रदेश)

## श्रीअन्न का महत्व

श्रीअन्न मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। इनके उपयोग से विभिन्न निम्न प्रकार के रोगों से बचाव किया जा सकता है:

- श्रीअन्न मुख्यत: एंटीएसिडिक और ग्लूटेन फ्री होने के कारण मानव शरीर में विषहरण का कार्य करते हैं।
- इनमें विटामिन बी$_3$ होता है। इससे शरीर में कोलेस्ट्रॉल को कम करने और स्तन कैंसर एवं टाइप-2 मधुमेह को रोकने में मदद मिलती है।
- ये रक्तचाप को कम करने और हृदय रोगों की भी रोकथाम करते हैं।
- श्रीअन्न प्राय: किडनी, लीवर और रोग प्रतिरोध प्रणाली के स्वास्थ्य को अनुकूलित करने में मदद करते हैं।
- श्रीअन्न मानव शरीर में आंतरिक पारिस्थितिकी तंत्र में प्रीबायोटिक फीडिंग माइक्रोफ्लोरा के रूप में कार्य करते हैं।

खाद्य सुरक्षा के लिए जरूरी हैं श्रीअन्न

भारतीय बाजरा, व्यंजनों एवं मूल्यवर्धित उत्पादों को विश्व स्तर पर स्वीकार किया जा जा रहा। खासतौर पर ज्वार, बाजरा और रागी सुपरफूड की श्रेणी में ला दिया गया है। ■